ईआरसीपी प्रोजेक्ट भाजपा का ड्रीम प्रोजेक्ट : राजेन्द्र राठौड़

प्रदेश सरकार इसकी तकनीकी खामियों को पूर्ण करें : रामलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री निवास पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में भारतीय जनता पार्टी का प्रतिनिधि के रूप में उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के समय यह प्रोजेक्ट तैयार किया किया। इसमें राज्य के 13 जिलों की जनता को पानी उपलब्ध कराया जाना हमारी प्राथमिकता है लेकिन राज्य सरकार को ऐसी महत्वपूर्ण परियोजना पर सरकार को राजनीति करने से बाज आना चाहिए तथा इस ड्रीम प्रोजेक्ट के तकनीकि पहलुओं पर केन्द्र सरकार से व्यापक विचार-विमर्श करना चाहिए।

राजेन्द्र राठौड़ व रामलाल शर्मा ने बताया कि बैठक में राज्य सरकार द्वारा यह बात स्वीकार की गई कि अब तक देश में बनी कुल 16 राष्ट्रीय जल परियोजनाओं में से कोई भी परियोजना 50 प्रतिशत जल निर्भरता पर नहीं बनी। दोनों नेताओं ने बैठक में यह बात स्पष्ट की चूंकि ईआरसीपी की परिकल्पना भाजपा के शासनकाल में प्रारम्भ हुई तथा इसकी डीपीआर भी भाजपा के कार्यकाल में बनी। इसलिए यह कहना कि भाजपा इस प्रोजेक्ट को नहीं चाहती यह पूर्णतया असत्य है। हम कल भी इस प्रोजेक्ट के पक्ष में थे और आज भी है तथा आगे भी रहेंगे। राठौड़ व शर्मा ने बताया कि 27 जनवरी 2020 को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमलनाथ के द्वारा भी यह आपत्ति की गई कि ईआरसीपी प्राजेक्ट में राजस्थान सरकार ने 50 प्रतिशत जल निर्भरता के आधार पर परियोजना बनाई है। यह अर्न्तराज्यीय जल समझौता (राजस्थान व मध्यप्रदेश) का उल्लघंन है।

राठौड़ व शर्मा ने बताया कि 27 जुलाई के अर्न्तराज्यीय जल नियंत्रण मण्डल की 12वीं बैठक में राजस्थान व मध्य प्रदेश के मध्य हुआ समझौता जिसमें 75 प्रतिशत जल निर्भरता पर परियोजना बनाई पर हुई सहमति का उल्लंघन है तथा तब से लेकर अब तक मध्य प्रदेश राज्य से राजस्थान को एनओसी नहीं मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के तकनीकि अधिकारी यह कहते हैं कि यह प्रोजेक्ट हमने नियमों के तहत बनाया है तो उनको केन्द्रीय जल आयोग के अधिकारियों के साथ बैठकर उनके तकनीकि सवालों का समाधान करना चाहिए। प्रदेश के अधिकारी जब भी दिल्ली के अधिकारियों के साथ बैठना चाहेंगे हम उनको इस हेतु पूर्ण सहयोग करेंगे।

'पर्यटन क्षेत्र के साथ मिलकर काम करेगा उद्योग विभाग'

जयपुर, (का.सं.)। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने आज राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) 2022 का दौरा किया। उन्होंने एग्जीबिशन का अवलोकन किया और प्रदर्शित पर्यटन उत्पादों की संख्या देखकर उसकी सराहना की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि राजस्थान ने अशोक गहलोत के कुशल नेतृत्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा देने के साथ-साथ पर्यटन विकास के लिए एक हजार करोड़ रुपये की राशि निर्धारित करके राज्य को इस क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। एग्रो और रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने पर एक नॉलेज सेशन को संबोधित करते हुए मंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि उद्योग विभाग पर्यटन क्षेत्र के साथ मिलकर काम करना चाहता है। आगामी इन्वेस्ट राजस्थान में पर्यटन एक प्रमुख क्षेत्र होगा, जिसका आयोजन जयपुर में 7-8 अक्टूबर को होगा। उन्होंने ग्रामीण और कृषि नीति की भी सराहना की और कहा कि राजस्थान इस क्षेत्र में भी अग्रणी है। इससे पहले एफएचटीआर के अध्यक्ष अपूर्व कुमार ने मंत्री का स्वागत किया और कहा कि आरडीटीएम की सफलता से पर्यटकों की संख्या में अच्छी वृद्धि होगी।

देश में शांति और सद्भाव के लिए जनांदोलन जरूरी : तुषार गांधी

पूर्व सांसद और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमन्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सुभाषिनी अली ने रविवार को पंचायतराज संस्थान के सभागार में दलित आदिवासी, अल्पसंख्यक दमन विरोधी प्रतिरोध आंदोलन, राजस्थान की ओर से राज्य स्तरीय सम्मेलन में संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। महात्मा गांधी फाउण्डेशन के अध्यक्ष, वरिष्ठ लेखक और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने कहा है कि देश में आज नफरत का जैसा माहौल, महंगाई और खराब अर्थ व्यवस्था से आमजन को जूझना पड रहा है, उससे छुटकारा पाने के लिए सभी को मिलकर आन्दोलन करना होगा।

> **आज भारत को मनुवाद की ओर धकेला जा रहा है जो देश की एकता और अखंडता पर खतरा है : अली**

तुषार गांधी यहां पंचायतराज संस्थान के सभागार में दलित आदिवासी, अल्पसंख्यक दमन विरोधी प्रतिरोध आंदोलन, राजस्थान के तत्वावधान में एक दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यहां जमीनी कार्यकर्ताओं की बातें सुनकर और उनसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। ऐसी समस्याएं देश भर में हैं। शहरों से निकलकर गांवों-कस्बों तक हमें देश के सामने माजूद चुनौतियों पर संवाद करना और राजनीति, सामाजिक और आर्थिक फ्रंट पर जंग लड़नी होगी।

उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने 9 अगस्त को "भारत छोडो आन्दोलन" और "करो या मरो" का नारा दिया था। यह साल इस आह्वान का 80 वां साल है। इसी तरह आज देश की जनता को धार्मिक ध्रुवीकरण के खिलाफ रणनीति बनाकर आंदोलन करना होगा। तुषार गांधी ने "नफरतों भारत छोडो", "प्यार मोहब्बत लाएंगे-देश को बचाएंगे" का नारा दिया और रणनीति के साथ आंदोलन करने की जरूरत बताई। सबसे पहले नफरतों के खिलाफ आंदोलन का आगाज करके लोगों में चेतना जगाने की जरूरत है। 9 अगस्त से इसकी प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद और ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमन्स एसोसिएशन की अध्यक्ष सुभाषिनी अली ने कहा कि आज भारत को मनुवाद की ओर धकेला जा रहा है जो देश की एकता और अखंडता पर खतरा है। आज संवैधानिक मूल्यों पर खतरा मंडरा रहा है। हमें संविधान के अनुसार समानता, धर्मनिरपेक्षता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना होगा जिसमें दलित, किसान, महिला और सभी वर्गों को साथ मिलकर संविधान की रक्षा करनी होगी।

सूचना का अधिकार आन्दोलन की प्रणेता अरुणा राय ने राज्य की प्रत्येक स्कूल में संविधान की प्रस्तावना का पठन करने पर जोर दिया ताकि बच्चों में प्रारम्भ से ही संविधान के प्रति निष्ठा बढ़ सके। संविधान हमें समानता का अधिकार देता है। इस अवसर पर निशा-तारासिंह सिद्धू, डी.के. छंगाणी, कविता श्रीवास्तव, अब्दुल सलाम जौहर, सुनीता चतुर्वेदी, नजमुद्दीन, रवीन्द्र शुक्ला, सुमित्रा, कुणाल रावत, बौद्ध समाज के टी.सी. राहुल, कविता शर्मा जितेन्द्र मेघवाल, समग्र सेवा संघ के अध्यक्ष सवाईसिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष अरविन्द, फादर विजयपाल, सबीना अबरार सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए महिला, मजदूर, कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार व्यक्त किए।

केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस का सत्याग्रह कल

जयपुर, (का.प्र.)। भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार की ओर से संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं के विरुद्ध द्वेषपूर्ण कार्यवाही के विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता एवं नेता मंगलवार को शहीद स्मारक गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा जयपुर पर शांतिपूर्ण सत्याग्रह करेंगे। केंद्र सरकार की गलत नीतियों एवं जनविरोधी निर्णयों के विरोध में आवाज उठाने वाले नेताओं को प्रताड़ित करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। केंद्र सरकार की इस नीति के अनुसरण में ईडी द्वारा निराधार एवं तथ्य हीन आरोपों में पूर्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस दिया गया तथा 55 से 60 घंटे तक पूछताछ की और अब इसी नीति के तहत कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी को ईडी द्वारा नोटिस दिया गया है। इसके विरोध में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा मंगलवार को शहीद स्मारक गवर्नमेंट चौराहा जयपुर पर शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया जाएगा। सत्याग्रह में राजस्थान मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक, विधायक प्रत्याशी, सांसद, सांसद प्रत्याशी, कांग्रेस पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे।

नीरज चौपड़ा को राज्यपाल ने दी बधाई

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

'जिसके रक्षक देवकी नंदन, दुनिया करती उसको वंदन'

जेकेके व जाजम फाउंडेशन की ओर से रविवार को आयोजित हरिजस कार्यक्रम में लोक गायिका सुमित्रा देवी ने हरिजस की प्रस्तुति दी।

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र में रविवार को हरि भजनों के साथ दिन की शुरुआत हुई। बरसते मेघ भी लोक संगीत की जाजम बैठने से नहीं रोक पाए। शहरवासियों ने बड़ी संख्या में पहुँचकर लोक गायिका सुमित्रा देवी व साथियों की प्रस्तुति का आनंद लिया। मौका था जेकेके व जाजम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हरिजस कार्यक्रम का।

अलसुबह ही लोग कार्यक्रम के लिए जुटने लगे थे। आलम यह रहा कि बाहर बादल बरसते रहे और कृष्णायन सभागार में सुमित्रा देवी के श्रीमुख से भजनों की गंगा। सुमित्रा देवी ने कालूराम रचित विघ्न हरो महाराजा गजानन्द गौरी के नंदा भजन से शुरुआत की। इसके बाद कबीर दास का गाड़ी धीरे-धीरे हांको, नारायण दास का वारी जाऊं रे बलिहारी जाऊं रे, मीरा बाई का सारा जग में नाम कमायो मीरा मेड़तणी, दल जी सेठ का भजन हेलो म्हारो सांभलो रूणीचा रा राजा समेत 9 भजन पेश किए। तंबूरे पर रूपदास, मंजीरे पर सुमेर दास व ढोलक पर इकबाल ने संगत की।

कामड़ जाति से आने वाली सुमित्रा देवी मूलत: पाली जिले के जैतारण की रहने वाली हैं। काफी संघर्ष के बाद उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। सुमित्रा बचपन से ही माँ के प्रेम से महरूम रहीं। उन्होंने अपने पिता स्व. सज्जनदास से गायन सीखा। सज्जनदास दिन में बकरियाँ चराते और रात में अपनी बेटी संग जागरण में गाया करते थे। सुमित्रा देवी ने देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ देकर राजस्थानी संगीत को आगे बढ़ाया।

कटारिया और चांदना आज करेंगे जनसुनवाई

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर सोमवार को जनसुनवाई की जाएगी। 25 जुलाई को होने वाली जन सुनवाई में राजस्थान सरकार के कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के मंत्री लालचन्द कटारिया तथा युवा मामले एवं खेल विभाग, कौशल नियोजन एवं उद्यिमता (स्वतंत्र प्रभार), आपदा प्रबन्धन एवं सहायता विभाग, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, नीति निर्धारण, सांख्यिकी एवं सूचना व जनसम्पर्क विभाग के राज्यमंत्री अशोक चाँदना जनसुनवाई करेंगे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व विधायक राकेश पारीक, सचिव भूराराम सिरवी व राजेन्द्र मूण्ड इनका सहयोग करेंगे।

रीट अभ्यर्थियों को देरी पर दूसरे दिन भी नहीं मिली परीक्षा केन्द्र पर एंट्री, पुलिस से उलझते दिखे युवा

सोडाला स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले कॉलेज में दूसरी पारी में दोपहर 2 बजे बाद पहुंचे 30 से अधिक कैंडिडेट्स को एंट्री नहीं दी गई, नाराज अभ्यर्थियों और परिजनों ने कॉलेज के बाहर विरोध जताया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मानसून के बीच रीट परीक्षा युवाओं के लिए बेहद परेशानी भरी रही। रविवार को लगातार दूसरे दिन भी जयपुर में परीक्षा केन्द्रों पर देरी से पहुंचे अभ्यर्थियों को एंट्री नहीं मिली। इस कारण कई सेंटर्स के बाहर युवक-युवतियां पुलिस से उलझते दिखे।

जरा सी देरी के कारण जो अभ्यर्थी परीक्षा देने से वंचित हो गये, वे गुस्से और परेशानी में नजर आए। बारिश ने कई युवाओं के शिक्षक बनने का अवसर छीन लिया। सुबह की पारी में 9:01 बजे और दोपहर में 2 बजे बाद पहुंचे परीक्षार्थियों को एंट्री नहीं मिली। अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्रों पर रोते-गिड़गिड़ाते रहे, लेकिन किसी ने उनकी नहीं सुनी। सोडाला स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले कॉलेज के बाहर भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला। यहां दोपहर 2 बजे बाद पहुंचे 30 से अधिक कैंडिडेट्स को एंट्री नहीं दी गई। इससे गुस्साएं अभ्यर्थियों और उनके परिजनों ने कॉलेज के बाहर जमकर हंगामा कर दिया। जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से समझाइश की। परीक्षार्थियों ने कॉलेज गेट के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया।

> **जयपुर में शनिवार-रविवार को चार पारियों में 79. 55 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी**

टोंक रोड सीतापुरा स्थित बालाजी अस्पताल के पास एक कॉलेज में दूदू से परीक्षा देने आई निरमा देवी बारिश व जाम के कारण समय पर नहीं पहुंच पाई। अभिभावक हनुमान सहाय ने बताया कि 9.15 पर पहुंचे। प्रवेश नहीं दिया। करीब 10-15 परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित रहे। वहीं एसके कॉलेज में गेट की गफलत की वजह से अभ्यर्थियों को कुछ मिनट अतिरिक्त लग गए। रीट परीक्षा में शामिल होने आई अभ्यर्थी ने बताया कि पहले बारिश की वजह से वह शहर में कई स्थानों पर फंस गई। जैसे-तैसे एसके कॉलेज सेंटर पर पहुंची। गेट बंद होने की वजह से अभ्यर्थी वहीं रोने लग गई।

दरअसल प्रदेशभर में 1380 केंद्रों पर रीट परीक्षा शनिवार और रविवार को 2-2 पारियो में हुई। पहली पारी की एग्जाम सुबह 10 बजे से थी, जबकि दूसरी पारी की परीक्षा दोपहर 3 बजे से थी। जयपुर के 219 परीक्षा केन्द्रों पर शनिवार जैसा माहौल देखने को मिला। जरा सी देरी से पहुंचे कैंडिडेट्स पुलिस के सामने रोते हुए नजर आए। इस पात्रता परीक्षा में 60 प्रतिशत से ज्यादा नंबर लाने वाले अभ्यर्थी अगले साल जनवरी में 46,500 पदों पर होने वाली टीचर भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

रीट परीक्षा देने पहुंची महिला अभ्यर्थियों के हाथ में बंधी राखी व रक्षा सूत्र भी पुलिस ने कटवाये।

जयपुर कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि बिना इंटरनेट बंद किये जिले में शांतिपूर्ण तरीके से रीट परीक्षा संपन्न करवाई है। जयपुर जिले में शनिवार-रविवार की 4 पारियों में 3 लाख 53 हजार 754 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, लेकिन मात्र 79.55 प्रतिशत अभ्यर्थी ही परीक्षा में बैठे। पहली पारी में 47 हजार 200, दूसरी पारी में 79 हजार 42 तृतीय पारी में 82 हजार 277 और चतुर्थ पारी में 72 हजार 899 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रही। इस कारण नकल और पेपर लीक को रोकने में हम कामयाब रहे। रीट एग्जाम में नकल और पेपर लीक को रोकने के लिए पुलिस की परीक्ष केन्द्रों और उसके आसपास के क्षेत्र में कड़ी नजर रही। रीट परीक्षा देने पहुंचे परीक्षार्थियों की तलाश ली, किसी को भी मोबाइल, ब्लूटूथ, केलकुलेटर, घड़ी, चेन, अंगूठी, ईयर रिंग के साथ प्रवेश नहीं दिया गया। अभ्यर्थी सिर्फ शर्ट, टी शर्ट, हाफ स्लीव का कुर्ता और कुर्ती पहन कर ही परीक्षा दे सके। दुपट्टा पहनी महिलाओं को भी प्रवेश नहीं मिला। यहां तक कि अभ्यर्थियों के जूते-चप्पल भी एक्जाम रूम के बाहर खुलवाये गए।

कलेक्टर के मुताबिक रीट परीक्षा में नकल और पेपर लीक रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन ने सख्त रवैया अपनाया। कड़ी निगरानी और मॉनिटरिंग के कारण ही बिना नेटबंदी परीक्षा शांतिपूर्ण करवा सके। परीक्षा केन्द्रों पर प्रत्येक कर्मचारी सरकारी था, किसी भी निजी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं थी। परीक्षा केन्द्रों के साथ-साथ आसपास के इलाके में भी पुलिस की कड़ी निगरानी रही, ताकि कोई बाहर से नकल न करवा सके। उधर राज्य सरकार ने परीक्षार्थियों के लिए रोडवेज और लो फ्लोर बसों में सफर नि:शुल्क कर रखा है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ा-बहुत उतार चढ़ाव जारी

राज्य में रविवार को थोड़ी गिरावट के बाद 213 नए संक्रमित मिले, इससे पहले शनिवार को 253 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण के नए मामलों में थोड़ा-बहुत उतार चढ़ाव बना हुआ है। इसके चलते रविवार को थोड़ी गिरावट के बाद 213 नए संक्रमित मिले हैं। वहीं इस बीच रिकवरी कम होने से एक्टिव केस बढ़कर 1622 हो गए हैं।

प्रदेश में रविवार को 18 जिलों में 213 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को 253 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में सबसे ज्यादा 48 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 40, अलवर में 23, बीकानेर में 18, अजमेर में 15, उदयपुर व बाड़मेर में 11-11, भीलवाड़ा, डूंगरपुर, बांसवाड़ा व सिरोही में 7-7, सीकर में 5, नागौर में 4, दौसा व चित्तौड़गढ़ में 3-3, झालावाड़ में 2 और बारां तथा धौलपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 16 जिलों भरतपुर, बूंदी, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, करौली, कोटा, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

> **जयपुर में सबसे ज्यादा 48 जबकि जोधपुर में 40 नए मरीज मिले हैं।**
>
> **प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर 1622 हो गए हैं।**

प्रदेश में रविवार 204 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस बढ़कर 1622 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों 66 संक्रमितों के ठीक होने से 351 एक्टिव केस रह गए हैं। वहीं जोधपुर में 368, बीकानेर में 118 और अजमेर में 100 मरीजों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9577 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को सबसे ज्यादा 9 संक्रमित प्रताप नगर में मिले हैं। इसके अलावा वैशाली नगर में 8, मालवीय नगर में 6, अजमेर रोड, लालकोठी व मानसरोवर में 3-3, सिविल लाइंस व विद्याधर नगर में 2-2 तथा आमेर, बनीपार्क, बरकत नगर, गंगापोल, हसनपुरा, जगतपुरा, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, फागी, सीकर रोड, सोड़ाला और सिरसी रोड इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

आकेड़ा डूंगर के तालाब में डूबने से दो बच्चे मरे

जयपुर (कासं)। विश्वकर्मा थाना इलाके में आकेड़ा डूंगर स्थित एक तालाब में रविवार सुबह नहाने गए पांच दोस्तों में से 2 की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिए। बताया जा रहा है 2-3 दिन से हो रही बारिश के बाद ही तालाब में करीब 5-6 फ़ीट पानी भरा था। पहले यह खाली था।

थानाधिकारी रमेश सैनी ने बताया कि हादसे में मनीष गुप्ता (14) पुत्र धूपनाथ और रोहित बुनकर (16) पुत्र बाबूलाल निवासी बालनाथ नगर रोड नंबर-17 विश्वकर्मा की मौत हो गई। मनीष 7वीं क्लास और रोहित 9वीं क्लास में पढ़ता था। वहीं, इरशाद (17) पुत्र इस्लाम अली (12वीं क्लास), निकिल शाह (14) पुत्र संतोष (9वीं क्लास) और अनिकेत यादव (12) पुत्र संजय अहीर (8वीं क्लास) को मौके पर मौजूद लोगों की मदद से बचा लिया गया।

> **बारिश के कारण यहां भरा था 6 फीट तक पानी, नहाने पहुंचे थे पांच दोस्त**
>
> **छलांग लगाते हुए कीचड़ में फंस गए बच्चे, रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों ने 3 बच्चों को बचाया**

पुलिस ने बताया आकेड़ा डूंगर स्थित तालाब में पहले ज्यादा पानी नहीं था। कुछ दिन से हो रही बारिश के चलते तालाब का जल स्तर करीब 6 फ़ीट तक पहुंच गया है। रविवार सुबह करीब 8 बजे पांचों दोस्त तालाब पर पहुंचे थे, जहां नहाने के लिए पानी में उतर गए। छलांग लगाते ही अचानक कीचड़ में पैर फंस गए। गहराई में जाने लगे तो बच्चे रोने चिल्लाने लगे। तालाब के पास ही कुछ लोग नहाने में आए थे, जिन्होंने बच्चों की आवाज सुनकर दाड़ लगाई और तालाब से सभी को बाहर निकाला। लेकिन तब तक मनीष और रोहित की मौत हो चुकी थी।

एसएमएस अस्पताल में देर रात हंगामा मचा

जयपुर। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में शनिवार देर रात को कार्डियोलॉजी में डाई उपलब्ध नहीं होने से मरीजों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी अटक गई। मरीजों को डॉक्टरों ने एक दिन पहले एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी के लिए तारीख दे दी। मरीज कैथलैब में भी पहुंच गए।

डॉक्टरों ने 50 एमएल डाई की डिमांड की तो स्टोर से 20 एमएल ही उपलब्ध मिली। यह मरीजों के लिए अनुपयोगी थी। डाई नहीं मिली तो मरीजों के परिजन कार्यवाहक अधीक्षक डॉ.राजेंद्र बागड़ी के पास पहुंचे और हंगामा किया। इसका वीडियो बना कर डॉ. बागड़ी ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.राजीव बगरहट्टा को भेज दिया। अस्पताल प्रशासन ने डाई सप्लाई करने वाली कंपनी को बुलाया।

रीट परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यर्थियों को प्रवेश से रोका, उन सेंटर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई होगी : खाचरियावास

जयपुर (कासं)। खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास खुलकर रीट अभ्यर्थियों के समर्थन में आए। उन्होंने कहा कि इतनी तेज बारिश के बीच अभ्यर्थी रो रहे थे, बारिश के कारण देरी हुई। परीक्षा 10 बजे से होने वाली थी, जो अभ्यर्थी 9.20 बजे परीक्षा केन्द्र पर पहुंच गए, उन्हें भी प्रवेश नहीं दिया गया। पुलिस को रोकने का कोई हक नहीं था।

उन्होंने पुलिस पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि पुलिस क्या नकल रोक रही है। 2 मिनट लगती है, सब चैक करने में। ऐसे पुलिस वालों पर कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री से बात करूंगा। जिन सेंटर पर एग्जाम शुरू होने यानी 10 बजे से पहले अभ्यर्थियों को प्रवेश से रोका गया है, उन सेंटर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। एक घंटे पहले अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर आए, ऐसा कोई एक्ट देश में नहीं है। मंत्री ने कहा कि मैंने खुद जयपुर कलक्टर से बात की तो बोले कि मैसेज कर दिया, ऐसा क्या मैसेज किया कि प्रवेश ही नहीं दिया गया। खाचरियावास ने कहा नियम भले ही परीक्षा शुरू होने के 1 घंटे पहले एग्जाम सेंटर में पहुंचने के हों, लेकिन एग्जाम शुरू होने से पहले यदि कोई अभ्यर्थी सेंटर में पहुंच जाता है, तो उसे परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि यह कानून है और इसी कानून को लेकर कई अभ्यर्थी तो कोर्ट तक पहुंच चुके हैं। खाचरियावास ने कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय में भी ऐसा नहीं होता, जैसा रीट के एग्जाम में एग्जाम सेंटर संचालक और अधिकारी कर रहे हैं।